समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 5

आप भले तो जग भला

श्रीमन्नारायण

भाग – 1

कीर्ति बसुमतारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation



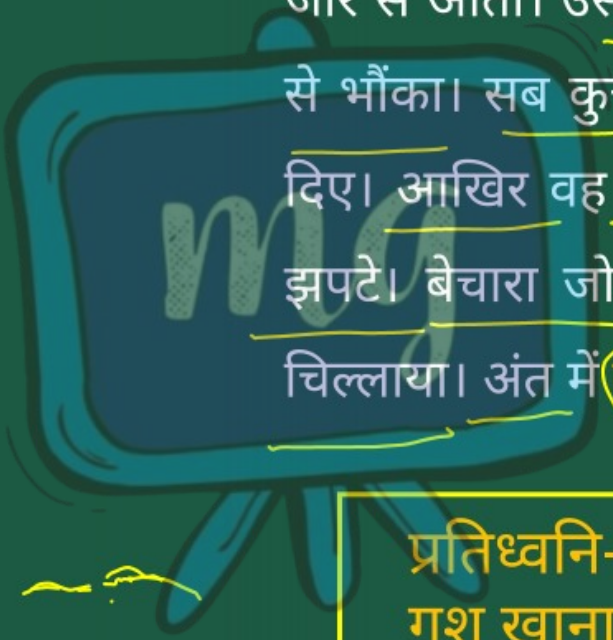
एक विशाल काँच के महल में न जाने किधर से एक भटका हुआ कुत्ता घुस गया। हजारों काँचों के टुकड़ों में अपनी शक्ल देखकर वह चौंका। उसने जिधर नजर डाली, उधर ही हजारों कुत्ते दिखाई दिए। वह समझा कि ये सब उस पर टूट पड़ेंगे और उसे मार डालेंगे। अपनी शान दिखाने के लिए वह भौंकने लगा, उसे सभी कुत्ते भौंकते हुए दिखाई पड़े।

काँच – গ্লাছ
चौंका – আচৰিত হোৱা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उसकी आवाज की ही प्रतिध्वनि उसके कानों में जोर-जोर से आती। उसका दिल धड़कने लगा। वह और जोर से भौंका। सब कुत्ते भी अधिक जोर से भौंकते दिखाई दिए। आखिर वह उन कुत्तों पर झपटा, वे भी उस पर झपटे। बेचारा जोर-जोर से उछला, कूदा, भौंका और चिल्लाया। अंत में गश खाकर गिर पड़ा।



प्रतिध्वनि- প্রতিধ্বনি
गश खाना – মূর্চা যোৱা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कुछ देर बाद उसी महल में एक दूसरा कुत्ता आया। उसको भी हजारों कुत्ते दिखाई दिए। वह डरा नहीं, प्यार से उसने अपनी दुम हिलाई।

सभी कुत्तों की दुम हिलती दिखाई दी। वह खूब खुश हुआ और कुत्तों की ओर अपनी पूँछ हिलाता बढ़ा। सभी कुत्ते उसकी ओर दुम हिलाते बढ़े। वह प्रसन्नता से उछला कूदा, अपनी ही छाया से खेला, खुश हुआ और फिर पूँछ हिलाता बाहर चला गया।

दुम - नेज
छाया - छाँ

जब मैं अपने एक मित्र को हमेशा परेशान, नाराज और चिड़चिड़ाते देखता हूँ तब इसी किस्से का स्मरण हो आता है। मैं उनकी मिसाल भौंकने वाले कुत्ते से नहीं देना चाहता। यह तो बड़ी अशिष्टता होगी। पर इस कहानी से वे चाहें तो कुछ सबक जरूर सीख सकते हैं।

दुनिया काँच के महल जैसी है। अपने स्वभाव की छाया ही उस पर पड़ती है। 'आप भले तो जग भला', 'आप बुरे तो जग बुरा।'

मिसाल – উদাহৰণ
अशिष्टता – অভদ্রতা

अगर आप प्रसन्नचित्त रहते हैं, दूसरों के दोषों को न देखकर उनके गुणों की ओर ध्यान देते हैं तो दुनिया भी आपसे नम्रता और प्रेम का बरताव करेगी। अगर आप हमेशा लोगों के ऐबों की ओर देखते हैं, उन्हें अपना शत्रु समझते हैं और उनकी ओर भौंका करते हैं तो फिर वे क्यों न आपकी ओर गुस्से से दौड़ेंगे?

प्रसन्नचित्त – সুখী
नम्रता – নম্রভাৱে
बरताव – ব্যৱহাৰ
ऐबों – দুখ

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation



अंग्रेजी में एक कहावत है कि अगर आप हँसेंगे तो दुनिया भी आपका साथ देगी, पर अगर आपको गुस्सा होना और रोना ही है तो दुनिया से दूर किसी जंगल में चले जाना ही हितकर होगा।

अमेरिका के मशहूर नेता अब्राहम लिंकन से किसी ने एक बार पूछा, "आपकी सफलता का सबसे बड़ा रहस्य क्या है ? उन्होंने जरा देर सोचकर उत्तर दिया, "मैं दूसरों की अनावश्यक नुक्ताचीनी कर उनका दिल नहीं दुखाता।"

हितकर- উপকাৰী
नुक्ताचीनी – আনৰ দুখবোৰ আলোচনা কৰা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मेरे मित्र की यही खास गलती है। वे दूसरों का दृष्टिकोण समझने की कोशिश नहीं करते। दूसरों के विचारों की, कामों की, भावनाओं की आलोचना करना ही अपना परम धर्म समझते हैं। उनका शायद यह ख्याल है कि ईश्वर ने उन्हें लोगों को सुधारने के लिए ही भेजा है। पर वे यह भूल जाते हैं कि शहद की एक बूँद ज्यादा मक्खियों को आकर्षित करती है, बजाय एक सेर जहर के।

आलोचना – আলোচনা

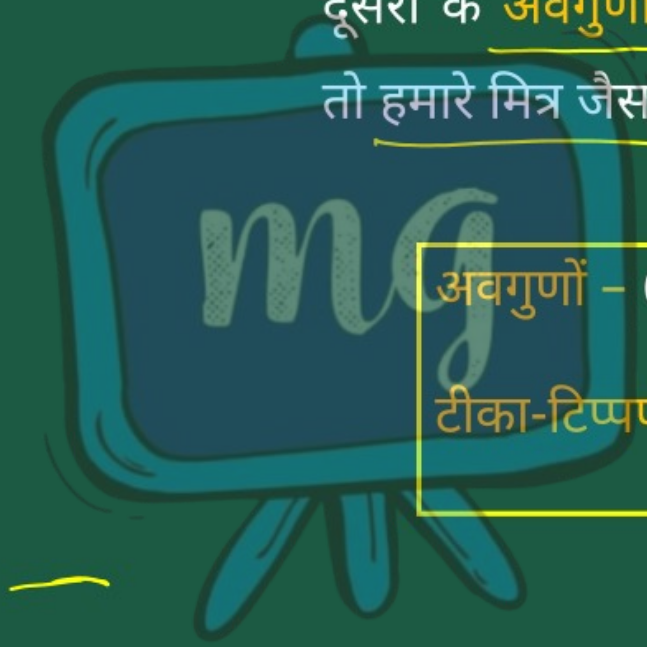
समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্ৰ শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

दुनिया में पूर्ण कौन है? हरेक में कुछ न कुछ त्रुटियाँ रहती हैं। प्रत्येक व्यक्ति से गलतियाँ होती हैं। फिर एक-दूसरे को सुधारने की कोशिश करना अनुचित ही समझना चाहिए। जैसा ईसा ने कहा था, "लोग दूसरों की आँखों का तिनका तो देखते हैं पर अपनी आँख के शहतीर को नहीं देखते।" दूसरों को सीख देना तो बहुत आसान काम है, अपने ही आदर्शों पर स्वयं अमल करना कठिन है ।

त्रुटियाँ – ভুল
शहतीर –কাঠৰ কূটা বা টুকুৰা
अमल – ব্যৱহাৰ

अगर हम अपने को ही सुधारने का प्रयत्न करें और दूसरों के अवगुणों पर टीका-टिप्पणी करना बंद कर दें तो हमारे मित्र जैसा हमारा हाल कभी नहीं होगा।



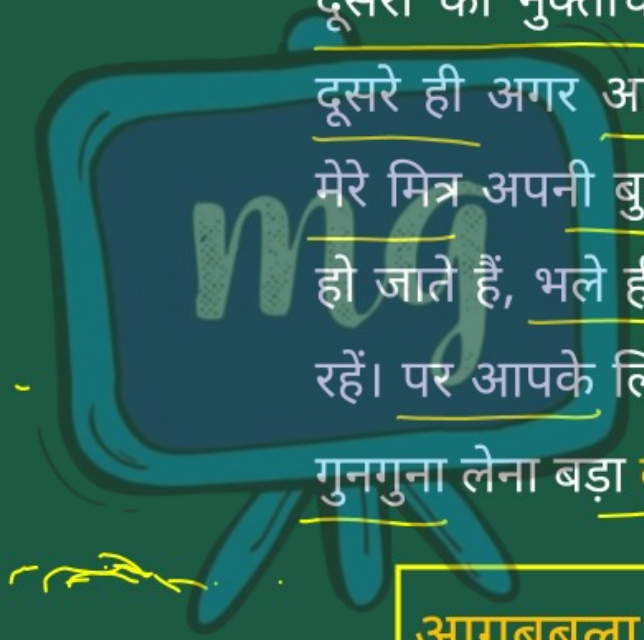
अवगुणों – বেয়া গুণবোৰ

टीका-टिप्पणी – সমালোচনা

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
সমগ্র শিক্ষা

Under CSR Support by
ipca | Foundation

इसी सिलसिले में एक बात और। आप तो दूसरों की नुक्ताचीनी नहीं करेंगे, ऐसी उम्मीद है, पर दूसरे ही अगर आपकी नुक्ताचीनी करना न छोड़ें तो? मेरे मित्र अपनी बुराई या आलोचना सुनकर आगबबूला हो जाते हैं, भले ही वह दुनिया की दिन भर बुराई करते रहें। पर आपके लिए तो ऐसे मौके पर दादू की पंक्तियाँ गुनगुना लेना बड़ा कारगर होगा :



आगबबूला – খং উঠা
कारगर – সহায়কাৰী

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

निंदक बाबा वीर हमारा, बिनही कौड़ी बहै बिचारा।
आपन डुबे और को तारे, ऐसा प्रीतम पार उतारे।

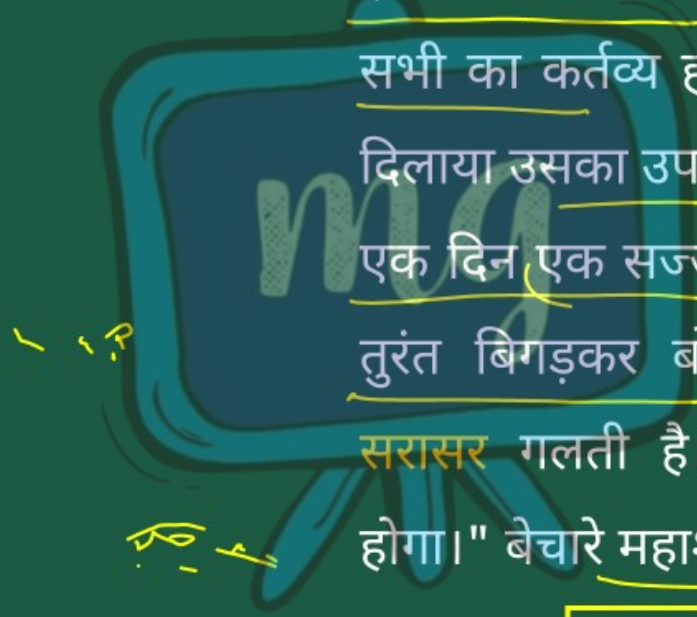
अर्थ :- निंदा करनेवाला मनुष्य बड़ा वीर है। जो अपने विचारों को बिना कोई कीमत लिए प्रकट करता है। ऐसा करने में भले ही वह स्वयं डूब जाता है, अर्थात् दूसरों की बुराई करने का दोष अपने ऊपर ले लेता है, परंतु दूसरों को उनकी बुराई का ज्ञान करा देता है। ऐसा व्यक्ति प्रिय है क्योंकि वह सबका कल्याण करता है

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अगर सचमुच कुछ त्रुटियाँ हैं, जिनकी ओर 'निंदक' हमारा ध्यान खींचता है तो उन अवगुणों को दूर करना हम सभी का कर्तव्य हो जाता है। जिसने उनकी ओर ध्यान दिलाया उसका उपकार ही मानना चाहिए।

एक दिन एक सज्जन से कुछ गलती हो गई। हमारे मित्र तुरंत बिगड़कर बोले, "देखिए महाशय, यह आपकी सरासर गलती है। आइंदा ऐसा करेंगे तो ठीक नहीं होगा।" बेचारे महाशय जी बड़े दुखी हुए।



सरासर - সম্পূর্ণভাবে

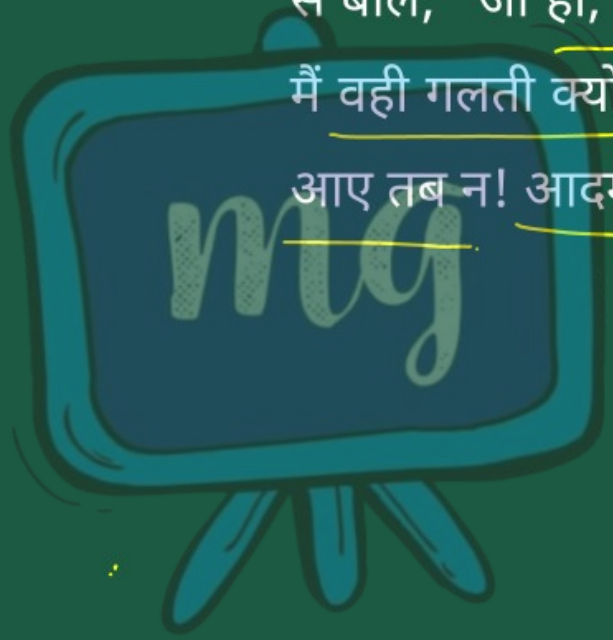
उनका अपमान हो गया। मन में क्रोध जाग्रत हुआ और वे बिना कुछ उत्तर दिए ही उठकर चले गए। दूसरे दिन मैंने उन महाशय जी से एकांत में कहा, "देखिए, गलती तो सभी से होती है। ऐसी गलती मैं भी कर चुका हूँ। दुखी होने का कोई कारण नहीं। आप तो बड़े समझदार हैं। कोशिश करें तो यह क्या, बड़ी से बड़ी गलतियाँ सुधारी जा सकती हैं। ठीक है न?“

क्रोध – श्रं

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

उनकी आँखों में आँसू छलछला आए। बड़े प्रेम से बोले, "जी हाँ, मैं अपनी गलती मानता हूँ। आगे भला मैं वही गलती क्यों करने लगा! पर कोई मुहब्बत से पेश आए तब न! आदमी प्रेम का भूखा रहता है”



मूल्यांकन



1 दूसरे कुत्ते ने स्वयं आईने में देखकर क्या किया?

क कूदने लगा ✗

ख नाचने लगा ✗

ग पूँछ हिलाने लगा ✓

मूल्यांकन



2 दुनिया कैसी है?

क सोने के महल जैसी

ख काँच के महल जैसी

ग लोहे के महल जैसी

मूल्यांकन



3 अब्राहम लिंकन ने सफलता का सबसे बड़ा रहस्य क्या बताया?

क दूसरों की नुक्ताचीनी नहीं करना

ख दूसरो के अवगुणों पर आलोचना करना

ग दूसरो पर दोष लगाना